



संपादन एवं संचालन
एकलव्य

ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016

फोन: 0755 - 2550976 0755 - 2671017

ई-मेल: srote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com

www eklavya.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

जून 2011

वर्ष-5 अंक-6 (पूर्णांक 269)

संपादक सुशील जोशी	हरे पटाखे कम विषैले बनेंगे	2		
	आंखें बताएंगी तंत्रिकाओं का हाल	2		
	वज़न घटाने की दवा के घातक साइड इफेक्ट	3		
	एक ज़िस्म, दो जान	डॉ. सुशील जोशी 4		
	अंतरिक्ष में दवाइयां जल्दी एक्सपायर होती हैं	6		
	गुरुत्वाकर्षण को नापने के प्रयास	रिचर्ड वेब 7		
	दाएं-बाएं हाथ का सोच लचीला है	11		
	भारत में परमाणु ऊर्जा का विस्तार और फुकुशिमा	डॉ. राम प्रताप गुप्ता 12		
	जल क्षेत्र में पीपीपी के अनुभव	गौरव द्विवेदी 16		
	पैरासिटामॉल पर स्पष्ट चेतावनी की ज़रूरत	18		
सहायक संपादक अफसाना पठान अम्बरीष सोनी	कैसे निर्मित होते हैं न्यूट्रॉन तारे?	डॉ. विजय कुमार उपाध्याय 19		
	बिन पानी सब सून	नवनीत कुमार गुप्ता 21		
	सुनामी योद्धा है मैंग्रोव वन	नवनीत कुमार गुप्ता 23		
	क्या हृदय की मरम्मत संभव होगी?	26		
	हिग्स बोसॉन: अभी हाज़िर, अभी गायब	26		
	बड़ी मछलियों से ज़्यादा खतरे में छोटी मछलियां	27		
	क्या क्षुद्र ग्रह जीवन के कारखाने हैं?	28		
	उपेक्षा आयु कम करती है	28		
	क्या आई.क्यू. टेस्ट सच बोलते हैं?	30		
	पर्यावरण डाइजेस्ट का रजत जयंती वर्ष	डॉ. दिनेश मणि 31		
उत्पादन सहयोग इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर राकेश खत्री कमलेश यादव	कैसे हो सुनामी से बचाव	भारत डोगरा 32		
	विदेशों में बसे भारतीय वैज्ञानिकों से ही उम्मीद क्यों?	पी. बालाराम 34		
	कोरसीना बांध ने बुझाई प्यास	भारत डोगरा 37		
	वार्षिक चंदा व्यक्तिगत 150 रुपए संस्थागत 300 रुपए एक प्रति 15 रुपए			
		चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।		

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। स्रोत का उल्लेख अवश्य करें।